सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 211 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 10 सितम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

बीस साल की उम्र में इंसान अपनी इच्छा से चलता है, तीस में बुद्धि से और चालीस में अपने अनुमान से।
-बेंजामिन फ्रैंकलिन

रुकने नहीं देंगे दिल्ली का... 7 | लोक सभा चुनाव: प्रदेश को मथने... 3 | मुख्य सचिव बोले, 2047 के... 2

ट्विटर पर सियासी घमासान

लोक सभा चुनाव से पहले भाजपा और सपा के बीच सोशल मीडिया पर भी सियासी घमासान तेज हो गया है। अखिलेश यादव जहां डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य पर लगातार निशाना साध रहे हैं वहीं केशव भी सपा प्रमुख पर जमकर पलटवार कर रहे हैं। वार-पलटवार का ऐसा ही एक मामला आज फिर सामने आया। अखिलेश ने केशव की मुस्कुराती तस्वीर ट्विटर पर पोस्ट कर पूछा इतना क्यों मुस्कुरा रहे हो तो केशव ने भी जवाबी हमला करते हुए कहा कि सपा का लोक सभा चुनाव में खाता नहीं खुलेगा। देखना दिलचस्प होगा कि यह जुबानी जंग कब तक चलती है।

अखिलेश ने पूछा, इतना क्यों मुस्कुरा रहे हो

» डिप्टी सीएम केशव मौर्य के मंत्रालय के बजट में कटौती को लेकर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य पर सरकार में उनका कद कम होने को लेकर लगातार तंज कस रहे हैं।

अखिलेश यादव ने लगातार दूसरी बार यूपी के उपमुख्यमंत्री बने केशव प्रसाद मौर्य की फोटो के साथ एक ट्वीट किया है। केशव प्रसाद मौर्य की इस तस्वीर में वे मुस्कुरा रहे हैं। अखिलेश यादव ने इसी पर तंज कसा है। अखिलेश यादव ने लिखा है कि आप इतना जो मुस्कुरा रहे हो, आपके मंत्रालय में बजट की कटौती हो गयी। आपके मंत्रालय के विभागों में पैसा नहीं पहुंचा। टेंडर न हो पाया। क्या ये सब राज छिपा रहे हो। आप इतना क्यों मुस्कुरा रहे हो।

केशव बोले, लोक सभा चुनाव में नहीं खुलेगा सपा का खाता

» सत्ता के लिए बेचैन हैं अखिलेश यादव, यूपी और देश में पहले से तेज है मोदी लहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के तंज पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने ट्विटर के जरिए पलटवार किया। केशव प्रसाद ने ट्वीट किया, सत्ता के लिए बेचैन अखिलेश यादव की पार्टी सपा का लोक सभा चुनाव 2024 में खाता भी नहीं खुलेगा। यूपी और देश में मोदी लहर पहले से तेज है। इससे पहले भी अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को सौ विधायकों के साथ सपा में शामिल होने पर उन्हें मुख्यमंत्री पद देने की पेशकश की थी। अखिलेश यादव की इस पेशकश पर केशव प्रसाद मौर्य ने कटाक्ष किया था कि जिस तरह पानी से निकलने के बाद मछली तड़पती है, उसी तरह अखिलेश यादव सत्ता के बिना तड़प रहे हैं। इतना ही नहीं मौर्य ने कहा था कि समाजवादी पार्टी अब समाप्तवादी पार्टी हो गई है और उनके सौ विधायक खुद ही भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने को तैयार हैं।

सपा नेता आईपी सिंह ने जारी किया नया पोस्टर, यूपी+बिहार=गयी मोदी सरकार

» लोक सभा चुनाव को लेकर नीतीश कुमार के समर्थन में जारी किया पोस्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार के सीएम नीतीश कुमार का विपक्ष को एकजुट करने का अभियान अपनी मंजिल की ओर बढ़ता दिख रहा है। यूपी में एक ऐसी तस्वीर सामने आई जो इस पर मुहर भी लगा रही है। सपा ने नीतीश कुमार और अखिलेश यादव के साथ का एक पोस्टर जारी किया है। सपा कार्यालय के बाहर लगाए गए इस पोस्टर में लिखा हुआ है, यूपी+बिहार=गयी मोदी सरकार। पोस्टर से साफ है कि सपा 2024 के लोक सभा चुनाव को लेकर भाजपा के खिलाफ बिगुल फूंक दिया है। पोस्टर सपा नेता आईपी सिंह की तरफ से लगाया गया है। गौरतलब है कि सीएम नीतीश कुमार पिछले दिनों विपक्षी दल के नेताओं से मुलाकात के लिए दिल्ली में थे। इस दौरान 6 सितंबर को उन्होंने गुड़गांव के मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती सपा के संरक्षक मुलायम सिंह यादव और सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात की। विपक्ष की एकता में अखिलेश की भूमिका को लेकर नीतीश ने कहा था कि अखिलेश यादव यूपी का आगे नेतृत्व करेंगे। वहीं अखिलेश ने कहा था कि नीतीश कुमार की मुहिम में मैं साथ हूं।

विवाद में घिरी भारत जोड़ो यात्रा, राहुल के साथ मीटिंग में पादरी के बयान पर बवाल

भाजपा ने करार दिया भारत तोड़ो यात्रा, कांग्रेस बोली यह भाजपा की शरारत और हताशा

» वीडियो वायरल होने के बाद सियासत तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कन्याकुमारी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर नया विवाद हो गया है। राहुल ने यात्रा के दौरान कुछ कैथोलिक पादरियों के साथ बैठक की थी। इनमें विवादित पादरी जॉर्ज पोन्नया भी मौजूद थे। राहुल के सवाल व पादरी के बयान को लेकर सियासी घमासान छिड़ गया है। भाजपा ने जहां इसे 'भारत तोड़ो यात्रा' करार दिया है, वहीं कांग्रेस ने कहा है कि यह यात्रा से हताश भाजपा की एक और शरारत है।

राहुल और पादरियों की इस बैठक की वीडियो क्लिप वायरल हो रही है। इसमें राहुल पादरी से सवाल करते सुनाई दे रहे हैं कि 'क्या जीसस क्राइट (ईसा मसीह) ईश्वर का एक रूप हैं? क्या यह सही है? जवाब में पोन्नैया कहते हैं, 'हां वह असली भगवान हैं, शक्ति (हिंदू देवी) जैसे नहीं हैं।' पादरी के बयान पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह यात्रा भारत तोड़ो यात्रा बन गई है। कांग्रेस का हिंदू विरोध का लंबा इतिहास रहा है। वहीं कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि वीडियों में जो कुछ भी रिकॉर्ड किया गया है, उससे कांग्रेस का कोई संबंध नहीं है। यह भाजपा की शरारत है जो भारत जोड़ो यात्रा की सफलता के बाद और अधिक हताश हो गई है।

देश में युवाओं का भविष्य असुरक्षित: राहुल

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का आज चौथा दिन है। यात्रा की शुरुआत कन्याकुमारी के मुलगुमुडु से सुबह सात बजे से हुई। इस मौके पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि हमारे देश में 42 फीसदी युवा बेरोजगार हैं। युवाओं का भविष्य असुरक्षित होने पर क्या भारत का भविष्य सुरक्षित हो सकता है। ये यात्रा उन बेरोजगार युवाओं के लिए है, हम उनकी नौकरी के लिए यह यात्रा कर रहे हैं। यह यात्रा तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू होकर जम्मू कश्मीर तक 3,570 किमी की होगी। पांच महीने तक चलने वाली यह यात्रा 12 राज्यों से होकर गुजरेगी।

मुख्य सचिव बोले, 2047 के कानपुर को ध्यान में रखकर बनाएं योजनाएं

» मुख्य सचिव ने देखा गंगा बैराज का मनोरम नजारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र ने 2047 के कानपुर को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाने के निर्देश दिए। साथ ही रिंग रोड, एयरपोर्ट, अलीगढ़-कानपुर एक्सप्रेसवे, मंधना अनवरगंज एलीवेटेड ट्रैक पर चल रही गतिविधियों के बारे में जानकारी हासिल की है। मुख्य सचिव ने देर रात गंगा बैराज का विहंगम दृश्य भी देखा। कानपुर आए मुख्य सचिव दुर्गाशंकर मिश्र ने पुलिस और प्रशासनिक अफसरों के साथ मंडलायुक्त आवास में बैठक की।

मंडलायुक्त डॉ. राजशेखर ने विकास कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 93.5 किमी लंबी रिंग रोड में प्रथम चरण में मंधना से सचेंडी के लिए जमीन अधिग्रहण का काम जल्द शुरू होगा। जिलाधिकारी विशाखजी ने मंधना से गंगा बैराज होते हुए आजाद मार्ग तक छह लेन की सड़क पर चल रहे काम की जानकारी दी। मेट्रो के साथ ही उन्हें रैपिड रेल, मंधना-अनवरगंज एलीवेटेड ट्रैक, सरसैया घाट से ट्रांसगंगा सिटी तक प्रस्तावित पुल, जयपुरिया क्रासिंग आरओबी, न्यू कानपुर सिटी आवास योजना, दादा नगर समानांतर पुल पर चल रही कवायद की विस्तार से जानकारी दी। मुख्य सचिव ने अफसरों से स्पष्ट कहा कि जिन प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है, उसमें धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। शहर में जाम की समस्या को लेकर मुख्य सचिव ने योजना बनाकर काम करने के दिशा-निर्देश अफसरों को दिए। कानून व्यवस्था पर पुलिस आयुक्त से भी उन्होंने बात की।

पहले अनाथ था बुंदेलखंड अब कर रहा दिन-रात तरक्की : केशव मौर्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महोबा में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कार्यकर्ताओं से कहा कि सभी मजबूती के साथ जुटे रहें और जनता की हर छोटी-बड़ी समस्या का निराकरण कराएं। जनता का साथ पाकर ही हम इतना मजबूत हैं, इसी तरह 2024 में फिर कमल को और मजबूत करना है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आप लोगों ने हमेशा साथ दिया है और कमल का फूल भूले नहीं। 2024 में फिर एक बार मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाना है। प्रधानमंत्री ने देश के झंडे का मान बढ़ाया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध में अन्य देशों के लोग भी तिरंगा लेकर वहां से निकले। कहा, कार्यकर्ताओं की बदौलत ही प्रदेश में 2022 में पुन: सरकार बना सकी। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश दिन रात चौगुनी तरक्की कर रहा है, जिस बुंदेलखंड को पूर्व की सरकारों ने अनाथ छोड़ दिया था उसको भाजपा ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, डिफेंस कारिडोर जैसे बड़े प्रोजेक्ट दिए। यहां के सभी जिले देश की राजधानी दिल्ली से जुड़ गए हैं, यह एक्सप्रेसवे लाइफ लाइन है। उन्होंने कहा कि केंद्र में मोदी और प्रदेश में योगी की सरकार आने से बिजली, पानी, सड़क, सुरक्षा, रोजगार हर क्षेत्र में तरक्की हुई है।

24 में बीजेपी से गठबंधन के दिए संकेत : शिवपाल

» अपने संगठन के बूते पर केंद्र के सत्ता में होंगे शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के मुखिया और पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने शुक्रवार को संगम नगरी प्रयागराज में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि 2024 में प्रगतिशील समाजवादी पार्टी अपने संगठन के बूते केंद्र की सत्ता में शामिल रहेगी। शिवपाल यादव ने 2024 में बीजेपी से गठबंधन के भी संकेत दिए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रगतिशील समाजवादी पार्टी निकाय चुनाव भी पूरे दमखम के साथ लड़ेगी। शिवपाल सिंह यादव झूंसी में अपनी पार्टी के जिला कार्यालय का उद्घाटन करने पहुंचे थे। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव अपने भतीजे व सपा मुखिया अखिलेश यादव पर भी निशाना साधने से भी नहीं चूके। उन्होंने कहा कि अगर अखिलेश यादव पार्टी की कमियां देख लेते और टिकटों का बंटवारा सही ढंग से कर लेते तो इस समय यूपी में सरकार होती। वहीं सपा मुखिया अखिलेश यादव के मायावती और बीजेपी के मिले होने के सवाल पर कहा कि मीडिया को सब पता है। शिवपाल सिंह यादव ने भाजपा सरकार में नौकरशाही के निरंकुश होने और भ्रष्टाचार का भी गंभीर आरोप लगाया है। कहा कि नौकरशाही जनता की सुन नहीं रही है। मुख्यमंत्री रोज चिल्ला रहे हैं, लगातार भाषणों में बोल रहे हैं लेकिन नौकरशाही के कानों पर पर जूं नहीं रेंग रही है। भ्रष्टाचार लगातार बढ़ता जा रहा है। कहा कि मुख्यमंत्री रोज कब्जे करने वालों की बात करते हैं लेकिन लगातार कब्जा बढ़ता जा रहा है। शिवपाल सिंह यादव ने डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के करीबी भाजपा के एक स्थानीय एमएलसी पर अपने पार्टी के मंडल प्रभारी श्रीप्रकाश राय उर्फ लल्लन राय के मकान पर अवैध रूप से कब्जा करने का भी आरोप लगाया है।

यूपी के खिलाड़ियों को मिलेगा 50 हजार का स्वास्थ्य बीमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों को बड़ी राहत देने जा रही है। अब राज्य के खिलाड़ियों का स्वास्थ्य बीमा कराया जाएगा। बीमा होने से खिलाड़ियों को बड़ी राहत मिलेगी। भारतीय जीवन बीमा निगम से खिलाड़ियों का स्वास्थ्य बीमा कराने के लिए वार्ता की जा रही है। जल्द ही उन्हें इसकी सुविधा दी जाएगी।

ऐसे में किसी भी खेल प्रतियोगिता व प्रशिक्षण के दौरान खिलाड़ी को अगर चोट लगती है तो उसे अधिकतम पांच लाख रुपये तक की आर्थिक मदद उपचार के लिए दी जाएगी। एकलव्य क्रीड़ा कोष से खिलाड़ियों को फैलोशिप व आर्थिक सहायता भी मिलेगी। अपर मुख्य सचिव, खेल नवनीत सहगल के मुताबिक उत्तर प्रदेश में खेल को बढ़ावा देने के लिए सरकार पूरी तरह तत्पर है। खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाओं के साथ-साथ उन्हें आर्थिक रूप से भी मदद देने की पहल की जा रही है ताकि वह तनाव मुक्त होकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे सकें और प्रदेश के लिए अधिक से अधिक पदक जीत सकें। खिलाड़ियों को अच्छे प्रशिक्षण के साथ-साथ उन्हें खेल के लिए एक अच्छा माहौल देने के लिए यह सब किया जा रहा है। संबद्धता प्राप्त खेल संघों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में पदक विजेता खिलाड़ियों को अपने खेल विधा से संबंधित आवश्यक उपकरण खरीदने के लिए पांच लाख रुपये तक की मदद दी जाएगी।

आजम खां के निर्देश पर गिराई गईं दुकानें फिर बनेंगी

» रामपुर की हुसैनी सराय वक्फ में फिर बनेंगी दुकानें व सराय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने रामपुर जिले में पूर्व अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मो. आजम खां के इशारे पर तत्कालीन चेयरमैन वसीम रिजवी द्वारा गिराई गई हुसैनी सराय वक्फ की 90 दुकानों का फिर से निर्माण की अनुमति दे दी है। इसका निर्माण वक्फ बोर्ड में विकास शुल्क जमा करने के बाद रामपुर का नवाब खानदान करेगा। उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन अली जैदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई बोर्ड बैठक में कहा गया कि रामपुर की हुसैनी सराय वक्फ को अदालत के स्थगनादेश के बावजूद गिरा दिया गया था।

यह रामपुर के नवाब द्वारा की गई वक्फ अलल औलाद की संपत्ति है। यहां नीचे दुकानें थी जबकि ऊपर एक सराय बनी हुई थी। बोर्ड ने फिर से दुकानें व सराय बनाने की अनुमति दे दी है। इसके अलावा वक्फ बोर्ड ने बिजनौर में दरगाह-ए-आलिया नजफ-ए-हिंद की नई प्रबंध कमेटी गठित कर दी गई है। इसके अध्यक्ष इरम अली जैदी बनाए गए।

अध्यापकों को समान रूप से मिलेगा राज्य पुरस्कार

नियमावली में संशोधन आदेश जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाने वाले सभी विषयों के अध्यापकों को समान रूप से राज्य पुरस्कार मिलने का रास्ता साफ हो गया है। मुख्यमंत्री अध्यापक पुरस्कार योजना की तरह राज्य अध्यापक पुरस्कारों की संख्या दोगुनी हो गई है। अब दोनों में 18-18 शिक्षक पांच सितंबर को पुरस्कृत होंगे।

माध्यमिक शिक्षा विभाग ने पुरस्कार देने की संशोधित नियमावली जारी कर दी है। कैबिनेट संशोधन प्रस्ताव पर पहले ही मुहर लगा चुका है। प्रमुख सचिव माध्यमिक शिक्षा दीपक कुमार ने आदेश में लिखा है कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों का अहम योगदान है। पहले शिक्षकों को पुरस्कार में समान अवसर नहीं मिल पा रहा था, जबकि पुरस्कार का उद्देश्य अध्यापकों में उत्कृष्ट शिक्षक बनने की प्रतिस्पर्धा बढ़ाना रहा है। अब राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक व शिक्षकों की संख्या के प्रतिनिधित्व के आधार पर विषय व वर्गवार अलग-अलग मानक तय हुए हैं।

» अब एक जून से दोनों पुरस्कारों के लिए होंगे आवेदन

लोक सभा चुनाव : प्रदेश को मथने में जुटी भाजपा, दिग्गजों ने संभाली कमान

- निकाय चुनाव के जरिए हारी सीटों वाले क्षेत्र में भी पैठ बनाने की जुगत
- संगठन को धार देने में जुटे प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी
- सीएम योगी ने भी संभाला मोर्चा, जारी है बैठकों का दौर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटी भाजपा ने लोक सभा चुनाव की तैयारी तेज कर दी है। खुद सीएम योगी ने इसकी कमान संभाल ली है। वे लगातार जिलों का दौरा कर रहे हैं। जिलों में सौगातों की बारिश की जा रही है। दूसरी ओर पार्टी की कमान संभालते ही नए प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने भी सभी क्षेत्रों में बैठकों का सिलसिला शुरू कर संगठन को और मजबूत करने में जुटे हैं।

विधान सभा चुनाव में मिली प्रचंड जीत के बाद भाजपा ने यूपी की सभी अस्सी लोक सभा सीटों पर जीत का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए भाजपा के प्रदेश नेतृत्व ने तैयारी की रफ्तार तेज कर दी है। गौरतलब है कि 2019 के लोक सभा चुनाव में यूपी में भाजपा को 80 में से 62 सीटें मिली थीं। उसकी सहयोगी अपना दल को 2 सीटों पर जीत मिली थी जबकि बसपा को 10 और सपा को पांच सीटों पर संतोष करना पड़ा था। कांग्रेस के खाते में एक सीट आई थी जबकि आरएलडी का खाता तक नहीं खुला था। इस बार भाजपा का दावा और तैयारी एनडीए को सभी 80 सीटों पर जीत दिलाने की है। पिछली बार की हारी सीटों पर भाजपा को नंबर दो से नंबर एक बनना है। निकाय चुनाव के बहाने पार्टी इसी लक्ष्य को ध्यान में रखकर यूपी को अभी से मथ रही है। इसके लिए बकायदा अभी से 2024 तक के कार्यक्रम निर्धारित किए जा रहे हैं। भाजपा मिशन 2024 की तैयारी में अभी से पूरी ताकत के साथ जुट गई है। एक तरफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक लगातार दौरे कर माहौल बनाने में जुटे हैं तो दूसरी ओर प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने भी पहले ही दिन से क्षेत्रवार मंथन का दौर चला रखा है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी गाजियाबाद कानपुर और काशी क्षेत्रों की बैठक कर चुके हैं। वहीं धर्मपाल सिंह भी लखनऊ मुख्यालय पर पदाधिकारियों की अलग-अलग बैठकों के बाद काशी और गोरखपुर में बैठक कर चुके हैं।

2014 से चल रहा विजय रथ

यूपी में भाजपा का विजय रथ चल रहा है। 2014 के बाद से लगातार हर चुनाव (2014 और 2019 में लोक सभा, 2017 और 2022 में विधान सभा चुनाव) जीत रही है। वहीं राज्य की प्रमुख विपक्षी पार्टियां समाजवादी पार्टी और बसपा अभी सक्रिय नहीं दिख रही है। सपा आजमगढ़ और रामपुर लोक सभा उपचुनाव में मिली हार, ओमप्रकाश राजभर और केशव देव मौर्य जैसे नेताओं के गठबंधन से बाहर जाने और चाचा शिवपाल सिंह यादव की तल्ख बयानबाजियों से जूझती नजर आ रही है।

निकाय और स्नातक चुनाव पर नजर

भाजप निकाय चुनाव के जरिए अपने सांगठनिक ताकत को एक बार फिर आजमाने और कार्यकर्ताओं में जोश भरने की तैयारी कर रही है। भूपेंद्र चौधरी और धर्मपाल सिंह के लिए भी निकाय चुनाव अपने रणनीतिक कौशल को साबित करने का पहला बड़ा अवसर है। लिहाजा दोनों नेता लगातार बैठकें कर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को निकाय और स्नातक चुनाव में शत प्रतिशत जीत का आह्वान कर रहे हैं। भाजपा कोर कमेटी की बैठक में ही तय किया गया था कि छह क्षेत्रों में से दो की बैठक प्रदेश अध्यक्ष और चार की संगठन महामंत्री लेंगे। निकाय चुनावों में अपेक्षा के मुताबिक पार्टी टॉप करे इसके लिए निकाय संयोजकों की तैनाती की जा चुकी है। जल्द ही हर जिले में निकाय प्रभारी और निकायों में प्रभारियों की तैनाती भी कर दी जाएगी। इस महीने के अंत तक ये सभी पदाधिकारी आवंटित निकायों में प्रवास पर जाएंगे। मतदाता सूची के पुनरीक्षण में छूटे नाम जुड़वाने के साथ ही पार्टी में निकायों के लिए प्रत्याशियों के चयन की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी।

दुबई की तर्ज पर लखनऊ में एलडीए बनाएगा परफ्यूम पार्क!

- पार्क पुराने लखनऊ में बनेगा
- लगाए जाएंगे खुशबूदार फूलों के पौधे
- जनेश्वर मिश्र पार्क का भी होगा कायाकल्प, लगेंगे नए पौधे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एलडीए यानी लखनऊ विकास प्राधिकरण दुबई की तर्ज पर राजधानी में भी परफ्यूम पार्क बनाएगा। जहां खुशबूदार फूलों के पौधे लगाए जाएंगे। यह पार्क पुराने लखनऊ में बनेगा। इसके अलावा जनेश्वर मिश्र पार्क में जुरासिक पार्क तथा मोशन पार्क बनाया जाएगा। जो फाइव डी की तरह होगा। एलडीए ने मुख्य सचिव के समक्ष इसका प्रजेन्टेशन किया जा चुका है। एलडीए पहुंचे नोडल अधिकारी व प्रमुख सचिव राजस्व सुधीर गर्ग के समक्ष भी इसका प्रजेन्टेशन किया गया।

उन्होंने इसके निर्माण को हरी झण्डी दी है। एलडीए की पुराने लखनऊ में घंटाघर के पास नजूल की काफी जमीन रिक्त है। इसी जमीन पर प्राधिकरण अब बेहतरीन परफ्यूम पार्क बनाने जा रहा है। इस तरह का पार्क दुबई में है। जो आकर्षण का केंद्र है। इस पार्क में हरसिंगार, चम्पा, चमेली, रातरानी, चांदनी सहित सभी महकने वाले ही फूलों के पौधे होंगे। इसमें खुशबूदार कुछ विदेशी पौधे भी मंगवाकर लगाए जाएंगे। मुख्य सचिव ने भी इसकी मंजूरी दे दी है। पुराने लखनऊ में बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में परफ्यूम पार्क आकर्षण का केंद्र होगा। एलडीए उपाध्यक्ष, डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि पार्क के निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया है। परफ्यूम पार्क, मोशन पार्क तथा जूरासिक पार्क के निर्माण की मंजूरी दे दी गयी है। जल्दी ही काम शुरू कराया जाएगा।

एलडीए नजूल और इंप्रूवमेंट ट्रस्ट की संपत्तियों का कराएगा लैंड ऑडिट

राजधानी के ऐशबाग स्थित चित्ताखेड़ा में एलडीए की जमीन पर अवैध कब्जे और उसे फर्जी तरीके से पट्टा किए जाने का मामला खुलने के बाद अब नजूल और इंप्रूवमेंट ट्रस्ट की कितनी जमीन खाली हैं। इसका ब्योरा जुटाने के लिए जल्द ही लखनऊ विकास प्राधिकरण दोनों अनुभागों की सम्पत्तियों का लैंड ऑडिट करायेगा। एलडीए उपाध्यक्ष डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने अधिकारियों के साथ बैठक करके इस बाबत आदेश जारी किये हैं। इसके अलावा प्राधिकरण द्वारा निर्मित अपार्टमेंटों में कमियों को चिन्हित करके इन्हें दुरूस्त करने के लिए प्रत्येक अपार्टमेंट में कैम्प कार्यालय स्थापित किया जाएगा, जिसमें अवर अभियंताओं की ड्यूटी लगाई जाएगी। बैठक में एलडीए उपाध्यक्ष इन्द्रमणि त्रिपाठी ने कहा कि नजूल भूमि तथा इंप्रूवमेंट ट्रस्ट की पत्रावलियां व्यवस्थित ढंग से न होने के कारण प्राधिकरण में कितनी भूमि अभी तक रिक्त हैं। इसकी सही सूचना अनुभागों में उपलब्ध नहीं हो पाती है। ऐसे में इन दोनों अनुभागों की संपत्तियों का लैंड ऑडिट कराया जाना बेहद जरूरी है। उन्होंने निर्देशित किया कि पीसीएस मैनेजमेंट के माध्यम से नजूल और इंप्रूवमेंट ट्रस्ट की सम्पत्तियों का लैंड ऑडिट शीघ्र कराया जाए तथा यह कार्य सचिव पवन कुमार गंगवार की निगरानी में सम्पन्न कराया जाए।

ताज के पीछे बनेगी फूलों की बगिया

ताज होटल के पीछे एलडीए ने अपनी ग्रीन बेल्ट की जमीन खाली करायी थी। पहले यह ताज के पास थी। इस पार्क में एलडीए फ्लावर गार्डेन बनाएगा। ऐसे भी फूल लगेंगे जिनकी पत्तियां नहीं होती हैं। इसके लिए एक विदेशी कंपनी से बात चल रही है।

जनेश्वर पार्क जुरासिक और मोशन पार्क बनेगा

एलडीए सूत्रों की माने तो जनेश्वर मिश्र पार्क को और उपयोगी बनाया जाएगा। इसके लिए इसमें मोशन पार्क बनाया जाएगा। मोशन पार्क में एक थिएटर बनेगा, जिसमें लोग फाइव डी पिक्चर देख सकेंगे। इसमें हिलने वाली चेयर लगी होंगी। यह काफी रोमांचकारी होगा। इसी तरह जुरासिक पार्क को वेस्ट मैटीरियल से बनाया जाएगा। इसे टायर व अन्य चीजों से बनाया जाएगा। मोशन पार्क के निर्माण पर 3.50 करोड़ रुपए खर्च होगा। जो कम्पनी बनाएगी वही पांच वर्ष तक मेंटनेंस भी करेगी। टिकट100 रुपए का होगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

खाद्यान्न निर्यात पर रोक और विश्व बाजार

विश्व में बढ़ते खाद्यान्न संकट के बीच भारत सरकार ने गेहूं, आटे, चीनी के बाद अब चावल के निर्यात पर भी रोक लगा दी है। हालांकि यदि कोई व्यापारी इसका निर्यात करना चाहता है तो उसे बीस फीसदी अधिक शुल्क देना होगा। सवाल यह है कि सरकार मुख्य अनाजों के निर्यात पर प्रतिबंध क्यों लगाती जा रही है? क्या महंगाई को रोकने के लिए यह रणनीति अपनायी जा रही है? क्या निर्यात पर प्रतिबंध का असर भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर नहीं पड़ेगा? क्या कमजोर मानसून के चलते देश को संभावित खाद्यान्न संकट से बचाने के लिए यह रणनीति अपनायी गयी है? क्या दुनिया के देशों की अर्थव्यवस्था पर इसका असर नहीं पड़ेगा? क्या विश्व बाजार में खाद्यान्न का संकट और गहराएगा? क्या घरेलू खपत और कीमतों को स्थिर रखने में सरकार का यह फैसला प्रभावी साबित होगा? क्या निर्यात को जारी रखने से मुफ्त राशन योजना और सार्वजनिक वितरण व्यवस्था प्रभावित हो सकती है?

रूस-यूक्रेन युद्ध ने पूरी दुनिया में खाद्यान्न का संकट उत्पन्न कर दिया है। खाने-पीने की कीमतें आसमान छू रही हैं। यूरोपीय देशों का हाल सबसे अधिक खराब है क्योंकि रूस और यूक्रेन के अनाज पर ये देश अधिक निर्भर हैं। युद्ध के कारण भारत से अनाज का निर्यात बढ़ गया है। इस दौरान गेहूं के निर्यात में करीब दो सौ फीसदी की वृद्धि हुई। लिहाजा सरकार ने पहले गेहूं और फिर आटे पर प्रतिबंध लगा दिया। अब चावल पर भी रोक लगा दी गयी है। इसका सीधा असर विश्व बाजार पर पड़ेगा। भारत दुनिया में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक है जबकि उत्पादन में वह चीन के बाद दूसरे नंबर पर है। भारत कुल वैश्विक निर्यात का 40 फीसदी अकेले करता है। इस समय भारत के पास पर्याप्त चावल का भंडार भी है लेकिन सरकार की चिंता कमजोर मानूसन को लेकर है। देश के प्रमुख चावल उत्पादक राज्यों यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ में औसत से भी 25 फीसदी कम बारिश हुई। इसके कारण धान बुआई का रकबा 5.62 फीसदी घट गया है। पैदावार में भी गिरावट की आशंका बनी हुई है। वहीं खुदरा महंगाई की दर कई महीनों से छह फीसदी के ऊपर बनी हुई है। लिहाजा खाने-पीने की कीमतें बढ़ सकती हैं। इसके अलावा मुफ्त राशन और सार्वजनिक वितरण प्रणाली योजना के तहत भी खाद्यान्न की जरूरत है। लिहाजा निर्यात पर लगाम लगाना जरूरी हो गया है। हालांकि इससे किसानों की आय और भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आएगी। वहीं रोक का सबसे ज्यादा असर पड़ोसी और एशियाई देशों पर होगा। अभी विश्व बाजार में चावल का रेट 350 डॉलर प्रति टन है जो बढ़कर 400 डॉलर पहुंच सकता है।

सवाल यह है कि सरकार मुख्य अनाजों के निर्यात पर प्रतिबंध क्यों लगाती जा रही है? क्या महंगाई को रोकने के लिए यह रणनीति अपनायी जा रही है? क्या निर्यात पर प्रतिबंध का असर भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर नहीं पड़ेगा? क्या कमजोर मानसून के चलते देश को संभावित खाद्यान्न संकट से बचाने के लिए यह रणनीति अपनायी गयी है? क्या दुनिया के देशों की अर्थव्यवस्था पर इसका असर नहीं पड़ेगा?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

घृणा के घटाटोप में प्रेम का पैयां-पैयां पैगाम

डॉ. राकेश पाठक

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी कन्याकुमारी से भारत जोड़ने का पैगाम लेकर पैयां-पैयां चल पड़े हैं। सवा सौ साल पुरानी उनकी पार्टी अपने इतिहास के सबसे बुरे दिनों से गुजर रही है। यह यात्रा भले ही देश को जोड़ने, आपसी सद्भाव बढ़ाने के घोषित उद्देश्य से शुरू हुई है लेकिन हर दल का हर कदम राजनीति के लक्ष्य साधने के लिए होता है वैसे ही इसका भी है। साढ़े तीन हजार किलोमीटर चल कर यह यात्रा जब पांच महीने बाद श्रीनगर पहुंचेगी तब तक इसके राजनैतिक लक्ष्य कितने पूरे होंगे यह अभी भविष्य के गर्भ में है लेकिन यह तय है कि यह यात्रा देश में भाईचारे का संदेश पहुंचाने में तो कामयाब हो ही जाएगी।

जब देश घृणा के घटाटोप में घिरा हुआ है तब कोई प्रेम का पैगाम लेकर इतनी कठिन यात्रा पर पैयां-पैयां निकल पड़ा हो तो एक सभ्य समाज उसे उम्मीद की निगाह से देखेगा ही। देखना भी चाहिए। इस यात्रा में कांग्रेस पार्टी का कोई प्रतीक, चुनाव चिन्ह, झंडा डंडा नहीं है। यात्रा सिर्फ एकता और भाईचारे की बात करेगी। स्वाभाविक है कि भले कोई प्रतीक न हो लेकिन पार्टी का सबसे बड़ा शुभंकर राहुल गांधी जब सबसे आगे कदम रखेंगे तो पार्टी का नाम पता भी घर-घर पहुंच जाएगा। इसके चुनावी फलितार्थ जो भी होंगे हमारी बला से लेकिन अगर यह समाज में बढ़ते सांप्रदायिक, विभाजनकारी विचार को दो कदम भी पीछे धकेलने में सफल रही तो देश और समाज दोनों के हित में होगा। यह आधुनिक युग में देश ही नहीं संभवत: दुनिया की सबसे लंबी दूरी की पदयात्रा है। अगर यह अपने गंतव्य तक सफलतापूर्वक पहुंच सकी तो यह अपने आप में एक इतिहास होगा। राहुल की भारत जोड़ो यात्रा के बहाने देश में हुई राजनैतिक यात्राओं का फौरी लेखा जोखा देखना समीचीन होगा। आजादी के संग्राम में महात्मा गांधी ने 12 मार्च 1930 को साबरमती (अहमदबाद) से समुद्र तक के कस्बे दांडी तक पैदल यात्रा की थी। अंग्रेज सरकार के नमक कानून को तोड़ने के लिए यह यात्रा 390 किलोमीटर दूरी तय करके 6अप्रैल 1930 को दांडी पहुंची थी। आजादी के बाद पचास के दशक में आचार्य विनोबा भावे ने भूदान आंदोलन में पदयात्रा की। करीब तेरह साल चली इस यात्रा में आचार्य ने 58 हजार किमी से ज्यादा यात्रा की थी। वे महात्मा गांधी के आध्यात्मिक उत्तराधिकारी माने जाते थे। खुद गांधी ने उन्हें देश का पहला सत्याग्रही कहा था। आजाद भारत में सबसे महत्वपूर्ण यात्राओं में चंद्रशेखर की 1983 में निकली भारत यात्रा यादगार मानी जाती है। इंदिरा गांधी की सत्ता के खिलाफ जनजागरण के लिए यह यात्रा कन्याकुमारी से राजघाट, दिल्ली तक की थी। इस यात्रा के कुछ साल बाद चंद्रशेखर प्रधानमंत्री बने थे। 1990 में भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक रथयात्रा निकाली थी। राममंदिर निर्माण की मांग के लिए निकली यह यात्रा पूरी नहीं हो सकी। बीच में ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया लेकिन तब तक यह रथयात्रा देश की धरती पर सांप्रदायिकता, वैमनस्ता, धार्मिक कटुता का हल चला चुकी थी।

देश आज तक उसी दौर में बही विभाजनकारी राजनीति की जहरीली आबोहवा को भुगत रहा है। हां, इसके बाद भाजपा सत्ता का स्वाद चखने में अवश्य सफल रही। यह यात्रा पैदल नहीं थी, सुसज्जित चारपहिया रथ पर थी। कांग्रेस नेता सुनील दत्त ने 1987 में पैदल भारत यात्रा की थी। यह सिख आतंकवाद का चरम दौर था। तब सुनील दत्त ने मुंबई से अमृतसर तक यात्रा की। सुनील दत्त ने परमाणु हथियारों के

भारत जोड़ो यात्रा

खिलाफ नागसाकी से हिरोशिमा की यात्रा भी की थी। एन टी रामराव ने 1982 में चैतन्य रथम यात्रा निकाली। आधुनिक सुविधा संपन्न रथ में 75 हजार किमी की यात्रा करके एन टी आर सत्ता के सिंहासन तक पहुंच गए। आंध्र प्रदेश में पहले सन 2003 में वाई एस राजशेखर रेड्डी ने पदयात्रा की। बाद में सरकार बनाई। उनके बेटे जगन मोहन ने भी यात्रा की और आज सत्ता में बैठे हैं। हाल के वर्षों में सबसे उल्लेखनीय पदयात्रा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने की। करीब छह महीने में दिग्विजय ने तीन हजार किमी चल कर नर्मदा परिक्रमा की। 2018 में मप्र में कांग्रेस की सरकार बनने में इस नर्मदा यात्रा का बड़ा योगदान माना जाता है। गैर राजनैतिक यात्राओं में बाबा आमटे की कन्याकुमारी से कश्मीर और कच्छ से कोहिमा तक की यात्रा उल्लेखनीय है। दुनिया के इतिहास में महान और परिवर्तनकारी पदयात्राओं में मार्टिन लूथर किंग जूनियर की पदयात्रा गिनी जाती है। मार्टिन लूथर ने 1965 में अश्वेतों के मताधिकार के लिए अलबामा की राजधानी मोंटगोमरी तक 25 हजार लोगों के साथ पैदल मार्च किया। इस मार्च के बाद ही अगस्त 1965 में अश्वेतों को मतदान का अधिकार मिला। मार्टिन लूथर किंग महात्मा गांधी को अपना प्रेरणा पुरुष मानते थे। गांधी के सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह के सिद्धांत आत्मसात करके ही मार्टिन लूथर ने हर आंदोलन चलाया। मानव सभ्यता के विकास के साथ ही मनुष्य में भ्रमण, देशाटन की ललक रही आई है। जल, थल मार्ग से अनेक महत्वपूर्ण यात्राएं की गई जिनके जरिए दुनिया के लोगों ने एक दूसरे को जाना। ज्ञात इतिहास में महात्मा गौतम बुद्ध के भारत भ्रमण का उल्लेख मिलता है। ईसा के पांच सौ साल पहले जन्मे गौतम ने भारत के अलावा कश्मीर पार करके अफगानिस्तान तक यात्रा की बामियान बौद्ध धर्म की राजधानी बना। आठवीं सदी में आदि शंकराचार्य ने सनातन धर्म की पुनर्स्थापना के लिए भारत यात्रा की थी। इसे शंकर दिग्विजय यात्रा कहा गया। इस यात्रा के दौरान ही चारों पीठ स्थापित किए और एक तरह से भारत के एकीकरण का अभूतपूर्व कार्य किया। महापंडित राहुल सांकृत्यायन ने बीसवीं सदी के दूसरे दशक में यात्राएं शुरू की तो जीवन के आखिर तक घूमते ही रहे। ज्ञानार्जन के लिए उन्होंने रूस, जापान, तिब्बत की दुरूह यात्राएं की और वोल्गा से गंगा जैसी रचनाएं लिखीं। कोलंबस की इतिहास प्रसिद्ध यात्रा ने अमरीका को खोज निकाला। उससे पहले दुनिया अमरीका से अनभिज्ञ थी। दुनिया के तमाम यात्री भारत आते रहे। ईसा पूर्व यूनानी यात्री मैगस्थनीज , चीनी यात्री फाह्यान, ह्वेनसांग ने भारत भ्रमण करके यहां के बारे में विस्तार से लिखा। महमूद गजनवी के साथ 1000 ई में अलबरूनी भारत आया और मोरक्को (अफ्रीका) से इब्नबतूता ने भारत आकर प्रमाणिक लेखन किया। इटली का यात्री मार्कोपोलो 1288 में भारत आया और निकालो कोंटी ने सन 1420 में भारत की यात्रा की। यह अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि ये सब यात्री पैदल नहीं आए थे। उस समय उपलब्ध जलमार्ग में नौकाओं या थलमार्ग में घोड़े, खच्चर आदि से ही इतनी लंबी यात्राएं की गई थीं।

मिड-डे-मील पर भारत से सीखे ब्रिटेन

अनुरंजन झा

भारतीय अर्थव्यवस्था की चर्चा इन दिनों फिर दुनियाभर में है। पिछले दिनों जैसे ही अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने बताया कि भारत एक बार फिर दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और उसने 2019 के बाद दोबारा ब्रिटेन को पीछे छोड़ दिया है, सबकी निगाहें भारत और ब्रिटेन की तुलना पर जा टिकीं। श्रीलंका के आर्थिक संकट के बाद भारत पर भी सवाल उठने लगे थे, लेकिन यहां तो आर्थिक प्रगति ने दूसरी कहानी शुरू कर दी है। जाहिर है कि देश को सुदृढ़ और मजबूत करने के लिए अर्थव्यवस्था का मजबूत होना सबसे ज्यादा जरूरी होता है। जब कोविड के बाद पूरी दुनिया में एक तरह की मंदी देखी जा रही है, तब आर्थिक मोर्चे पर भारत की प्रगति निस्संदेह तारीफ के काबिल है। अब जब भारत अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर ब्रिटेन से आगे है तो कई पहलुओं पर निगाह चली जाती है। जिस देश ने भारत पर 200 साल से ज्यादा समय तक शासन किया हो, उससे उसकी तुलना होने लगे तो निश्चित ही इसे भारत की तरक्की से जोड़ कर देखना चाहिए।

ब्रिटेन में इन दिनों राजनीतिक उठापटक का दौर है। नये प्रधानमंत्री के कंधे पर अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की मुख्य जिम्मेदारी है। बोरिस जॉनसन के कार्यकाल में अप्रैल 2022 में ब्रिटेन में बिजली और गैस के दाम में 35-50 फीसदी की बढ़ोतरी की गयी थी, जिससे आम लोगों पर भारी बोझ बढ़ा था। बाद में सरकार ने काउंसिल टैक्स में छूट देकर इसे कुछ कम करने की कोशिश की लेकिन जब तक लोगों को राहत मिलती, देश में राजनीतिक अस्थिरता का दौर आ गया। अब एक तरफ देश को नया प्रधानमंत्री मिल रहा है तो दूसरी तरफ ब्रिटेन के लोग महंगाई और जीवनयापन के खर्चे में बढ़ोतरी की वजह से इतने परेशान हैं कि देश के अलग-अलग हिस्सों में 'इनफ इज इनफ' यानी अब बहुत हो चुका जैसे कैंपेन चल रहे हैं। इसके केंद्र में है ब्रिटिश स्कूलों में मिड डे मील योजना। महंगाई के कारण कई स्कूलों ने बच्चों को मुफ्त खाना देने से इनकार कर दिया है अगर हम इसी योजना की भारत के मिड-डे-मील योजना से तुलना करें तो कई बातें साफ हो जाती हैं। जहां ब्रिटेन जैसा समृद्ध देश अपने स्कूली बच्चों को खाना देने में आनाकानी करने लगा है वहीं भारत में ब्रिटेन की पूरी आबादी के दोगुना बराबर बच्चों को स्कूलों में हर रोज मुफ्त खाना दिया जाता है। भारत सरकार ने मिड-डे-मील योजना को सफल रखने के लिए हर संभव प्रयास किये हैं और इसके लिए सांसदों को मिलने वाली भोजन सब्सिडी बंद कर दी गयी है। भारतीय संसद में इस सब्सिडी को खत्म कर सालाना 10 करोड़ से ज्यादा रुपये बचाये जा रहे हैं लेकिन ब्रिटेन के आंकड़े बताते हैं कि वहां के सांसद अपने खाने पर मोटी सब्सिडी लेते हैं। इतना ही नहीं, ब्रिटिश अखबार मिरर यूके में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटिश सांसदों ने पिछले छह सालों में 12 लाख किलो से ज्यादा भोजन फेंक दिया है और वह भी तब जब देश के करीब 20 लाख लोगों को इन दिनों दोनों वक्त खाना नसीब नहीं हो रहा है। ब्रिटेन में यह योजना पहली बार तब लागू हुई थी जब भारत आजाद हुआ था, यानी 1947 में। बीच-बीच में इसे रोका जाता रहा और अस्सी के दशक में ब्रिटिश स्कूलों में मिड-डे-मील योजना की विधिवत शुरुआत की गयी थी लेकिन भोजन के नाम पर चिप्स और जंक फूड दिये जाने लगे।

समय-समय पर उसका विरोध हुआ, लेकिन योजना चलती रही। 2005 के चुनाव में यह एक बड़ा मुद्दा बना और उसके बाद इस योजना में काफी सुधार दिखने लगा। कोविड के दौरान योजना स्थगित रही, लेकिन जब स्कूल खुले तो यह उस तरह से सुचारु रूप से नहीं चल पाया जैसे इसे चलना चाहिए। फिर जब कई स्कूल इसके बदले पैसे मांगने लगे, लोगों का विरोध सड़क पर आ गया। कोरोना काल में सबसे पहले तत्कालीन ब्रिटिश चांसलर (वित्तमंत्री) ऋषि सुनक ने इस योजना का विरोध किया था। आमतौर पर मददगार छवि के सुनक के इस कदम पर उनके इलाके का एक रेस्तरां इतना नाराज हुआ कि उसने सुनक को आजीवन प्रतिबंधित करने की घोषणा कर दी। जर्मनी से 18वीं शताब्दी के आखिरी दशक में शुरू हुई यह योजना आज कई देशों की शिक्षा नीति का मुख्य अंग है। ऐसे में ब्रिटेन जैसे शक्तिशाली देश में अचानक कुछ स्कूलों में इसे बंद करने का विरोध होना लाजिमी है, लेकिन उससे ज्यादा जरूरी है इस योजना की जरूरत को समझना और इसे लागू करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति होना। तमाम विरोधाभासों और बाधाओं के बावजूद भारत में यह योजना दशकों से सुचारु रूप से चल रही है। इसकी चर्चा इसलिए की गई क्योंकि जब भी किसी देश की अर्थव्यवस्था में सुधार की बात होती है तो सबसे पहले नजर उन योजनाओं पर जाती है, जिनमें आम लोगों को सुविधाएं मुफ्त मुहैया करायी जाती हैं। भारत में इन दिनों सदन से लेकर अदालत तक रेवड़ी कल्चर पर चर्चा है. तो क्या स्कूलों में बच्चों को मुफ्त खाना देना रेवड़ी कल्चर के अंतर्गत आता है और क्या ब्रिटेन में ऐसा ही मान कर स्कूलों ने इसे बंद करने का प्रयास किया है और सरकार खामोश है? इस मामले से पर्दा जल्दी ही उठेगा, जब नये प्रधानमंत्री का सुचारु रूप से कार्यकाल शुरू होगा और नये वित्तमंत्री को ऐसी तमाम योजनाओं को नये सिरे से एक बार फिर समझना होगा। ऐसी स्थिति में इतना तो तय है कि मिड डे मील जैसी योजनाओं को समझने के लिए ब्रिटेन के पास भारत जैसा मजबूत उदाहरण है।

चेहरे की खास देखभाल के लिए ट्राई करें

डर्माप्लानिंग फेशियल

फेस पर ग्लो लाने के लिए फेशियल करवाना एक अच्छा ऑप्शन होता है। ऐसे में आम स्किन केयर रूटीन से लेकर किसी खास ओकेजन पर खूबसूरत दिखने के लिए ज्यादातर लोग फेशियल कराना पसंद करते हैं। हालांकि फेशियल तो आपने कई बार करवाया होगा, लेकिन क्या आपने डर्माप्लानिंग फेशियल के बारे में सुना है? डर्माप्लानिंग फेशियल आजकल काफी ट्रेंड में है। वहीं, सॉफ्ट, शाइनी और यंग स्किन के लिए डर्माप्लानिंग फेशियल ट्राई करना काफी कारगर हो सकता है।

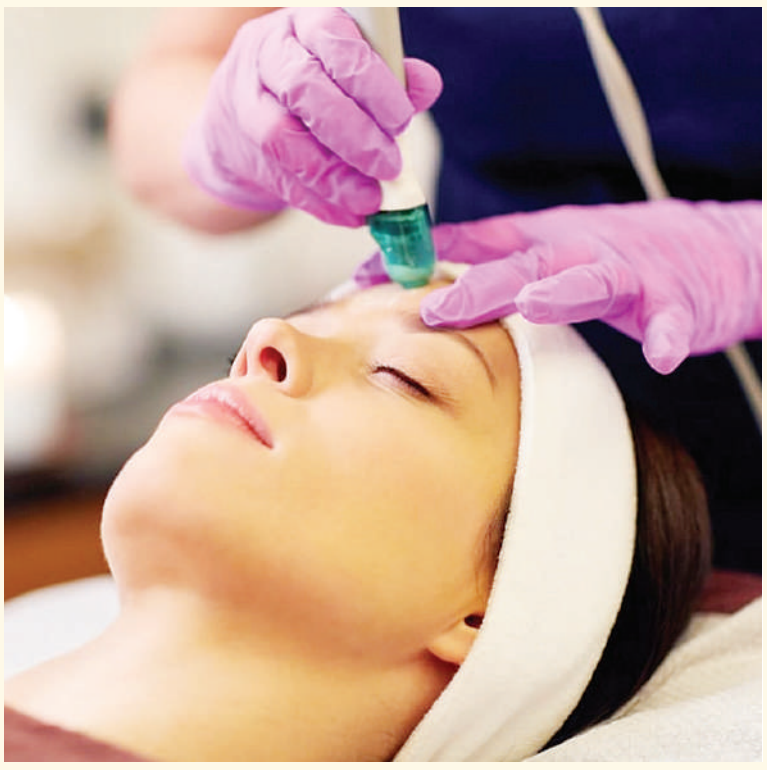

क्या है डर्माप्लानिंग फेशियल

डर्माप्लानिंग फेशियल आम फेशियल से बिल्कुल अलग होता है। इसे करने के लिए डर्माप्लानिंग ब्लेड का इस्तेमाल किया जाता है। रेजर की तरह दिखने वाले डर्माप्लानिंग ब्लेड को 45 डिग्री पर रखकर त्वचा की सफाई की जाती है। ऐसा करने से त्वचा के डेड स्किन सेल्स रिमूव हो जाते हैं और स्किन पर नए सेल्स बनने लगते हैं। आइए जानते हैं डर्माप्लानिंग फेशियल के कुछ फायदे।

झुर्रियां और फाइन लाइन्स से मिलेगी निजात

कई लोगों के फेस पर झुर्रियां और फाइन लाइन्स की समस्या आम होता जाती है। ऐसे में डर्माप्लानिंग फेशियल डेड स्किन सेल्स को रिमूव करके डैमेज स्किन सेल्स को रिपेयर करने का काम करता है। जिससे चेहरे की झुर्रियां और फाइन लाइन्स खत्म होने लगती है। साथ ही आपकी त्वचा नेचुरली चमकने लगती है।

इन बातों का रखें खास ख्याल

अगर आपके फेस पर कील-मुहांसे की समस्या है, तो फिलहाल के लिए डर्माप्लानिंग फेशियल करवाने से बचें। वहीं डर्माप्लानिंग फेशियल करवाने के बाद सनस्क्रीन लोशन लगाना न भूलें। साथ ही फेशियल को लॉन्ग लास्टिंग बनाने के लिए कोई दूसरा फेशियल ट्रीटमेंट न लें। फेस पर ग्लो लाने के लिए फेशियल करवाना एक अच्छा ऑप्शन होता है। ऐसे में आम स्किन केयर रूटीन से लेकर किसी खास ओकेजन पर खूबसूरत दिखने के लिए ज्यादातर लोग फेशियल कराना पसंद करते हैं। हालांकि, फेशियल तो आपने कई बार करवाया होगा, लेकिन क्या आपने डर्माप्लानिंग फेशियल के बारे में सुना है? डर्माप्लानिंग फेशियल आजकल काफी ट्रेंड में है। वहीं, सॉफ्ट, शाइनी और यंग स्किन के लिए डर्माप्लानिंग फेशियल ट्राई करना काफी कारगर हो सकता है।

अनचाहें बालों से पाएं छुटकारा

डर्माप्लानिंग फेशियल चेहरे के अनचाहे बालों को खत्म करने में मददगार होता है। वहीं फेशियल हेयर के साथ-साथ डर्माप्लानिंग फेशियल करवाने से चेहरे के दाग-धब्बे और कील-मुंहासे भी कम होने लगते हैं।

मेकअप में होगा मददगार

डर्माप्लानिंग फेशियल मेकअप को फ्लॉलेस लुक देने में सहायक होता है। दरअसल ये फेशियल कराने के बाद आपकी स्किन सॉफ्ट और स्मूद हो जाती है। जिससे न सिर्फ आपका मेकअप करना आसान हो जाता है बल्कि आपका मेकअप लुक भी अपने आप निखर जाता है।

हंसना मना है

एक लड़की एक लड़के के साथ बैठी थी, दूसरे दिन दूसरे लड़के के साथ बैठी थी, तीसरे दिन तीसरे लड़के के साथ बैठी थी, इस कहानी से तुम्हें क्या शिक्षा मिलती है? लड़के बदल जाते हैं पर लड़कियां नहीं।

महिला- डॉक्टर साहब, मेरे पति नींद में बातें करने लगे हैं! क्या करूं? डॉक्टर- उन्हें दिन में बोलने का मौका दीजिए!

ब्वॉयफ्रेंड - क्या तुम मेरी सैलरी से गुजारा कर लोगी? गर्लफ्रेंड - मैं तो कर लूंगी पर आपका क्या होगा? सुनते ही ब्वॉयफ्रेंड हो गया हैरान!

एक स्टूडेंट भगवान से बोला- 1 रुपए की कीमत 68 तक पहुंचाई, पेट्रोल की 80 तक, दूध की 50 और प्याज़ की 100 तक। पर फिर भी आपका लाख-लाख शुक्र है भगवान, पासिंग मार्क्स आज भी 35 ही हैं।

सोनू ने एयरटेल के ऑफिस में फोन किया सोनू - मेरे फोन का बिल बहुत ज्यादा आया है इतनी तो मैंने बात भी नहीं की है। मोनू (एयरटेल से)- अच्छा आपका प्लान क्या है? सोनू - अभी तो मार्केट आया हुआ हूं शाम को दारू पीऊंगा। आप अपना बताइये

मंटू- इंस्पेक्टर साहब, मेरी मदद कीजिए। कोई मुझे धमकी भरे कॉल कर रहा है। पुलिसवाला- कौन है वह? मंटू- मेरी गर्लफ्रेंड का पति फिर क्या था... हो गई जेल।

कहानी — लाल मोर

विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय को अद्भुत व विलक्षण चीजें संग्रह करने का बहुत शौक था। हर दरबारी उन्हें खुश रखने के लिए ऐसी ही दुर्लभ वस्तुओं की खोज में रहता था ताकि वह चीज महाराज को देकर उनका शुभचिंतक बन सके तथा रुपये भी ऐंठ सके। एक बार एक दरबारी ने एक अनोखी चाल चली। उसने एक मोर को रंगों के एक विशेषज्ञ से लाल रंगवा लिया और उस लाल मोर को लेकर वह सीधा राजा कृष्णदेव राय के दरबार में पहुंचा और राजा से बोला-''महाराज ! मैंने मध्य प्रदेश के घने जंगलों से आपके लिए एक अद्भुत व अनोखा मोर मंगाया है।''राजा कृष्णदेव राय ने उस मोर को बड़े गौर से देखा। उन्हें बड़ा ताज्जुब हो रहा था...''लाल मोर...वास्तव में आपने हमारे लिए अद्भुत चीज मंगाई है। हम इसे राष्ट्रीय उद्यान में बड़ी हिफाजत से रखवाएंगे। अच्छा...यह तो बताओ कि इस मोर को मंगाने में तुम्हें कितना रुपया खर्च करना पड़ा ?'' दरबारी ने अपनी प्रशंसा सुनी तो वह प्रसन्न हो उठा। बड़े ही विनम्र भाव से वह राजा से बोला 'महाराज, आपके लिए यह अनोखी वस्तु लाने के लिए मैंने अपने दो सेवक पूरे देश की यात्रा पर भेज रखे थे। वे वर्षों तक किसी अद्भुत वस्तु की खोज में लगे रहे। तब कहीं जाकर, मध्य प्रदेश के जंगलों में यह अनोखा लाल रंग का मोर मिला। मैंने अपने उन सेवकों पर करीब पच्चीस हजार रुपये खर्च किये हैं।'' उस दरबारी की बात सुनकर राजा कृष्णदेव राय ने तुरन्त मंत्री को आज्ञा दी। मंत्री जी, इन सज्जन को पच्चीस हजार रुपये राज-कोश से दे दिए जाएं। मंत्री को यह आज्ञा देकर राजा ने दोबारा उस दरबारी से कहा, ''यह तो आपको वह रुपया दिया जाता है, जो आपने खर्च किया है। इसके अलावा एक सप्ताह बाद आपको उचित पुरस्कार भी दिया जाएगा।'' दरबारी को भला और क्या चाहिए था ? वह तेनाली राम की ओर कुटिल भाव से देखकर मुस्कराने लगा। तेनाली राम उसके मुस्कराने का मतलब समझ गया, लेकिन समय को देखते हुए उसने चुप रहना ही उचित समझा। तेनाली राम यह भी समझ गया कि लाल रंग का मोर किसी भी देश में नहीं होता। कहीं भी नहीं पाया जाता। उसे लगा, यह सब अवश्य ही इस दरबारी की कोई चाल है। बस फिर क्या था। तेनाली राम ने दूसरे ही दिन उस रंग विशेषज्ञ को खोज निकाला जिसने लाल मोर तैयार किया था। तेनाली राम चार और मोर लेकर उस चित्रकार के पास पहुँचा। उसने उन्हें लाल रंग से रंगवा कर तैयार कराया और उसी दिन उन्हें दरबार में ले जाकर राजा से कहा, ''महाराज हमारे मित्र दरबारी ने पच्चीस हजार से केवल एक लाल मोर ही मंगवाया था और मैं सिर्फ पचास हजार में उससे भी अधिक सुन्दर चार लाल मोर ले आया हूं।'' राजा ने देखा। सचमुच तेनाली राम के चारों मोर उस दरबारी वाले मोर से कहीं अधिक सुन्दर और सुर्ख लाल रंग के थे। राजा को आज्ञा देनी पड़ी, ''तेनाली राम को राजकोष से पचास हजार रुपये फौरन दे दिए जाएं।'' राजा कृष्णदेव राय की यह आज्ञा सुनते ही तेनाली राम ने एक आदमी की ओर इशारा करते हुए राजा से कहा, ''महाराज, पुरस्कार का सही अधिकारी यही कलाकार है, मैं नहीं हूं। यह आदमी एक अनोखा चित्रकार है। यह किसी भी वस्तु का रंग बदलने की कला में निपुण है। इसी ने नीले मोरों का रंग लाल करने की कला दिखाई है।''अब राजा को सारा गोरखधन्धा समझते देर नहीं लगी। वह समझ गए कि पहले दिन दरबारी ने उन्हें मूर्ख बनाकर रुपये ठगे थे। राजा ने फौरन ही उस दरबारी पर पच्चीस हजार लौटाने के साथ ही पांच हजार रुपये जुर्माने का आदेश दिया और चित्रकार को पुरस्कृत किया। दरबारी बेचारा क्या करता। वह अपना-सा मुंह लेकर रह गया। राजा कृष्णदेव राय को खुश करने की सनक के चक्कर में पांच हजार रुपये भी गंवाने पड़े।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आपकी इच्छा-शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत पेचीदा हालात से निकलने में कामयाब रहेंगे। भावुक फैसला लेते वक्त अपनी तार्किकता न छोड़े।

वृषभ

किस्मत आप पर मेहरबान रहेगी। पूरे दिन आप नयी उर्जा से भरे रहेंगे। आपके कामों की ऑफिस में तारीफ होगी। फिर पार्टनरशिप करने का मौका मिलेगा।

मिथुन

आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहेगा। मान-सम्मान और पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार के साथ यात्राएं हो सकती है। कामकाज में अच्छा धन लाभ होगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

कर्क

जो समस्याएं आपको परेशान कर रही हैं, उन्हें हल करने के लिए होशियारी, चतुरता और कूटनीति के दाव-पेंचों की जरूरत है। आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तयशुदा बजट से दूर न जाएं।

सिंह

आज आपका दिन ठीक-ठाक बना रहेगा। अनचाहे खर्चे बढ़ सकते हैं। रुपये पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतने की जरुरत है। किसी पर तुरंत भरोसा करके उधार पैसे देने से बचें।

कन्या

आज घर वालों व मित्रों के नकारात्मक स्वभाव को लेकर आपको थोड़ा सतर्क रहना चाहिए। आज जल्दबाजी में निर्णय से बचने का दिन है।

तुला

आपको लंबे समय से महसूस हो रही थकान और तनाव से आराम मिलेगा। इन परेशानियों से स्थायी निजात पाने के लिए जीवन-शैली में बदलाव लाने का सही समय है।

वृश्चिक

आज आपका दिन अच्छा गुजरेगा। छोटी-छोटी बातों में खुशी तलाशने की कोशिश करेंगे। सेहत ठीक रहने से मन शांत रहेगा। इस राशि के जो लोग संगीत के क्षेत्र से जुड़े हुए हैं।

धनु

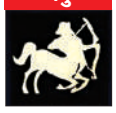

राजकाज में सफलता मिलेगी। पारिवारिक सुख-संतोष बना रहेगा। किसी कार्य के संपन्न होने से मन प्रसन्न रहेगा। धन का आगमन हो सकता है।

मकर

दिन को रोमांचक बनाने के लिए करीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएं। जो लोग प्रेम के संगीत में डूबे हुए हैं। वही इसकी स्वर-लहरियों का आनन्द ले सकते हैं।

कुम्भ

आज आपकी कलात्मक क्षमता का विकास होगा। संतान सुख की प्राप्ति होगी। कुछ लोग आपसे मिलकर प्रभावित होंगे। किसी दोस्त से आर्थिक सहायता मिलेगी।

मीन

सामूहिक कार्यों में सब की सलाह से आगे बढ़ना लाभदायक रहेगा। आज व्यवसाय में निवेश की योजना बनेगी। संतान की सफलता से खुश रहेंगे। परिवार का वातावरण मनोनुकूल रहेगा।

ब्रिटेन की महारानी ने अमिताभ को भेजा था न्योता पर वे नहीं गए!

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय दुनिया को अलविदा कह चुकी हैं। उनके निधन के बाद पूरी दुनिया गमगीन है। महारानी ने महज 25 साल की उम्र में राजगद्दी संभाल ली थी और करीब 70 साल तक राज किया। इस दौरान उन्होंने 15 प्रधानमंत्री को भी बनते और गिरते देखा है। 96 साल की उम्र में अंतिम सांस लेने वाली क्वीन को दुनियाभर से श्रद्धांजलि और शोक संदेश भेजे जा रहे हैं। एलिजाबेथ की सिनेमा में काफी दिलचस्पी थी। उन्होंने कई बार बॉलीवुड से नजदीकियां बढ़ाने की कोशिश की थी। यहां हम आपको एलिजाबेथ के कमल हासन और अमिताभ बच्चन से जुड़े दो किस्से बताने जा रहे हैं। साल 1997 में कमल हासन मरुधानायगम बना रहे थे। इस फिल्म की कहानी स्वतंत्रता सेनानी की असल जिंदगी पर आधारित थी। इस फिल्म का लॉन्च एमजीआर फिल्म सिटी में 16 अक्टूबर 1997 को होना था। इस खास मौके पर महारानी एलिजाबेथ को भी निमंत्रण भेजा गया था। महारानी एलिजाबेथ ने भी भारतीय फिल्म सेट पर आने की दिलचस्पी दिखाई। वह तय समय पर वहां पहुंच गईं। इस दौरान उनका भव्य तरीके से स्वागत किया गया। कमल हासन की पत्नी सारिका ने एलिजाबेथ की आरती उतारी, तिलक लगाया और माला पहनाकर उनका सेट पर स्वागत किया था। उस समय महारानी ने सेट पर करीब 20 मिनट का वक्त बिताया था। मरुधानायगम फिल्म के एक सीन में क्वीन नजर भी आई हैं। दूसरा किस्सा अमिताभ बच्चन से जुड़ा हुआ है। दरअसल एक बार महारानी ने अमिताभ बच्चन को खास न्योता भेजा था, लेकिन बिग बी ने किसी खास वजह से जाने से मना कर दिया था। फरवरी 2017 के अंत में बंकिघम पैलेस में महारानी के परिवार की ओर से यूके-इंडिया ईयर ऑफ कल्चर रखा गया था। इसमें दुनिया भर से गिने-चुने मेहमानों को आमंत्रित किया गया था। उस दौरान महारानी ने दोनों देशों के मेल-जोल को बढ़ाने के लिए सदी के महानायक अमिताभ बच्चन को भी न्योता भेजा था।

बॉलीवुड | मसाला

थैंक गॉड का ट्रेलर रिलीज, फैंस हुए खुश

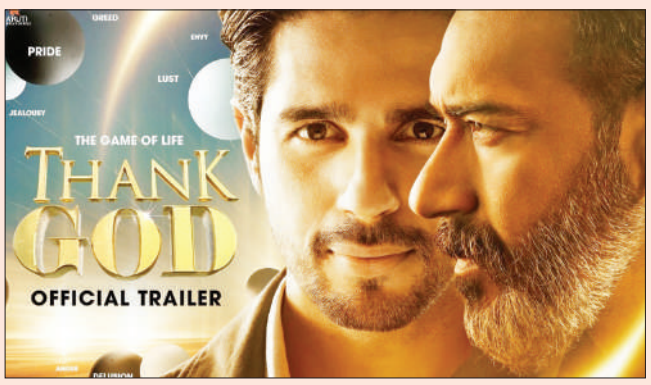

बॉलीवुड के सिंघम और सुपरस्टार अजय देवगन की फिल्मों का लोग बेसब्री से इंतजार करते हैं। पिछले काफी दिनों से अजय अपनी फिल्म थैंक गॉड को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इस फिल्म में अजय के साथ सिद्धार्थ, रकुल प्रीत सिंह भी मुख्य भूमिका में हैं। जहां कल फिल्म से सिद्धार्थ और अजय का फर्स्ट लुक आउट हुआ था, वहीं आज जैसा वादा किया गया था थैंक गॉड का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जारी किए गए ट्रेलर में सिद्धार्थ और अजय सबको गुदगुदाने की कोशिश रहे हैं। अजय देवगन, सिद्धार्थ मल्होत्रा और रकुल प्रीत सिंह की बहुचर्चित फिल्म थैंक गॉड के तीन मिनट और नौ सेकेंड के इस ट्रेलर में सिद्धार्थ मल्होत्रा और अजय देवगन ने अपनी जुगल बंदी से दर्शकों को हंसाने की कोशिश की है। कॉमेडी के साथ-साथ इमोशंस का तड़का लगाते हुए निर्देशक इंद्र कुमार ने सबके चेहरों पर मुस्कान लगाने की जद्दोजहद की है, लेकिन इसमें वह ज्यादा सफल होते नजर नहीं आ रहे हैं। जी हां थैंक गॉड जैसी मच अवेटिड फिल्म के ट्रेलर से जितनी उम्मीद थी यह उस तरह का बिल्कुल नहीं था। जिससे शायद दर्शकों को खासी निराशा हुई होगी। सिद्धार्थ मल्होत्रा फिल्म में जहां एक आम आदमी अयान का किरदार निभा रहे हैं, वहीं अजय देवगन इसमें चित्रगुप्त की भूमिका में नजर आ रहे हैं। ट्रेलर की शुरुआत अयान के ऑफिस जाने से होती है। वह रास्ते में ही कार एक्सीडेंट का शिकार हो जाता है। लेकिन उसकी मौत नहीं होती है, वह जीवन और मृत्यु के बीच में फंस जाता है। वहां उसकी मुलाकात चित्रगुप्त से होती है, जो अपनी सभा में किसी राजा-महाराजा की तरह सिंहासन पर बैठा होता है।

बॉलीवुड | मन की बात

धनुष की रीसेंट फिल्म ने की रिकॉर्ड ब्रेकिंग कमाई

कई फिल्में ऐसी होती है जिन्हें पहली बार ऑडियंस से अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिलता है। हालांकि वही फिल्में जब री-रिलीज की जाती है, तो बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा देती हैं। कुछ ऐसा ही धनुष की फिल्म 3 के साथ हुआ। दरअसल, साल 2012 में आई फिल्म 3 के तेलुगु संस्करण को धनुष के पिता और फिल्म निर्माता कस्तूरी राजा के जन्मदिन के मौके पर सिनेमाघरों में री-रिलीज किया गया। दर्शकों के बीच इस फिल्म का रिस्पॉन्स बिल्कुल चौंका देने वाला रहा, शहर के ज्यादातर थिएटर हाउसफुल रहे। जिसे दखकर ट्रेड एनालिस्ट भी शॉक रह गए। कस्तूरी राजा प्रोडक्शन में बनी फिल्म 3 ऐश्वर्या रजनीकांत के निर्देशन में बनी पहली फिल्म थी। इस फिल्म ने रिलीज से पहले ही दुनिया भर में तहलका मचा दिया। फिल्म की आधिकारिक रिलीज के पहले ही व्हाई दिस कोलावेरी डी गाना लीक हो गया। गाना लोगों के बीच खूब चर्चित हुआ। मगर फिल्म को गाने की तुलना में कोई सफलता नहीं मिली। उस वक्त लोगों ने गाने को खूब एंजॉय किया, मगर सिनेमा में खास भीड़ नहीं दिखी। 10 साल बाद जब एक बार फिर 3 सिनेमाघरों में लगी, तो फिल्म को लेकर शॉकिंग रिस्पॉन्स देखने को मिला। बता दें कि फिल्म को केवल तेलुगु भाषी शहरों में री-रिलीज किया गया था, जहां 150 से ज्यादा सिनेमाघर हाउसफुल रहे। सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियोज सुर्खियों में रहे जहां सिनेमाघरों में फैंस की भारी भीड़ देखने को मिली। फिल्म में 3 एक युवा जोड़े की दुखद प्रेम कहानी है, जो मानसिक बीमारी के जीवन-बिखरने वाले परिणामों के बारे में बताता है। धनुष के अलावा इस फिल्म में इस फिल्म में श्रुति हासन और शिवकार्तिकेयन हैं। बता दें कि यह फिल्म पहली बार 30 मार्च 2012 को रिलीज हुई थी। धनुष की फिल्म तिरुचित्रम्बलम ने हाल ही में बॉक्स-ऑफिस पर दमदार कमाई की है।

ट्रेन पंखों में कौन सी टेक्नोलॉजी इस्तेमाल करता है रेलवे, घरों में नहीं चल सकता

दुनिया में भारतीय रेलवे चौथा और एशिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। देश में रेलवे स्टेशन की कुल संख्या 8000 के करीब है। भारत में ज्यादातर लोग ट्रेन से यात्रा करना पसंद करते हैं। भारत में रेल यात्रा सस्ती और आरामदायक है जिसकी वजह से ट्रेन को देश की लाइफ लाइन माना जाता है। लेकिन देश की लाइफ लाइन माने जाने वाली ट्रेन भी चोरों के आतंक से नहीं बच पाती थी। ट्रेन में चोरियां भी पहले बहुत ज्यादा होती थीं। कई बार आपने सुना होगा कि चोरों ने ट्रेन से पंखे, बल्ब समेत कई सामान चुरा लेते थे। हालांकि ट्रेन से चोरी करने पर लंबे समय तक के लिए जेल जाना पड़ सकता है। अब रेलवे ने पंखों को चोरों से बचाने के लिए ऐसी तरकीब निकाली है जिसकी वजह से कोई भी इनकी चोरी नहीं कर सकता। आइए जानते हैं कि रेलवे ने ऐसा क्या तरीका निकाला है? भारतीय रेलवे ने चोरी के मामलों को रोकने के लिए ट्रेनों में नई तकनीक का प्रयोग किया है। ट्रेन के पंखों में इंजीनियर्स ने ऐसे तकनीक का इस्तेमाल किया जो घरों में नहीं चल सकता है। इन पंखों का सिर्फ ट्रेनों में ही इस्तेमाल किया जा सकता है और इनका हवा सिर्फ ट्रेन में लिया जा सकता है। अगर कोई इन पंखों का ट्रेन के बाहर इस्तेमाल करना चाहता है, तो ऐसा नहीं हो सकता है। अब आपके मन में सवाल खड़ा हो रहा होगा कि ऐसा कैसे हो सकता है? आइए जानते हैं कि इस पंखे में किस तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। घरों में दो तरह की बिजली का इस्तेमाल किया जाता है पहला एसी (अल्टरनेटिव करेंट) और दूसरा डीसी (डायरेक्ट करेंट)। घर में एसी बिजली का प्रयोग करने पर अधिकतम पावर 220 बोल्ट रहता है, अगर घर में डीसी का प्रयोग हो रहा है, तो पावर 5, 12 या 24 रहता है। ट्रेन में लगाए जाने वाले पंखों को बनाने के लिए 110 वोल्ट का इस्तेमाल होता है। इसलिए यह पंखें सिर्फ डीसी से चलते हैं। घरों में डीसी बिजली 5,12 या 24 वोल्ट से ज्यादा नहीं होती है जिसकी वजह से इन पंखों का घर में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

अजब-गजब | जहां नौकरी करना होता है युवाओं का सपना

इस शहर में पिंजरे में रहने को मजबूर हैं लोग

दुनियाभर के ज्यादातर युवा किसी बड़े शहर में नौकरी करने का सपना देखते हैं। लेकिन दुनिया के ज्यादातर बढ़े शहर बढ़ती आबादी और प्रूदषण से बेहाल हो रहे हैं। आज हम आपको एक ऐसे शहर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें नौकरी करने का सपना हमारे देश के ज्यादातर युवाओं का होता है, लेकिन इस शहर की सच्चाई ये है कि यहां रहने के लिए लोगों को घर तक नहीं मिलते और लोग जानवरों की तरह पिंजरों में रहने को मजबूर रहते हैं।

दरअसल, हम बात कर रहे हैं चीन अधिकृत हांगकांग के बारे में।देखने में तो हांगकांग दुनिया के सबसे बढ़िया शहरों की तरह ही लगता है।हर साल एशियाई देशों के लाखों युवा यहां नौकरी करने के लिए आते हैं। क्योंकि हांगकांग जैसी जगह को पूरी दुनिया एक बेहतर लाइफस्टाइल और ?बसूरती के लिए जानते हैं इसी कारण से हर साल लाखों लोग घूमने के लिए भी यहां पहुंचते हैं। लेकिन इस जगह का एक दूसरा पहलू भी है, जिसके बारे में शायद बहुत काम लोगों ही जानते हैं।

बता दें कि भले ही हांगकांग में बहुत से लोग महंगे घरों में रहते हैं लेकिन लाखों लोग ऐसे भी है जो इन महंगे घरों को खरीदने का सपना पूरा नहीं कर पाते। इस कारण ये लोग जानवरों की तरह पिंजरे में रहने को मजबूर हैं।इस पर भी लोहे के बने ये पिंजरे गरीबों को आसानी से नहीं मिलते

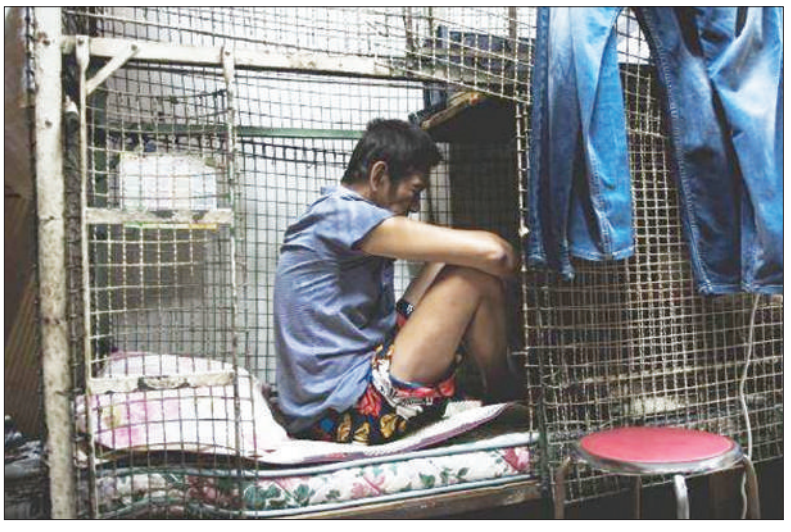

है।इसके लिए भी उन्हें कीमत चुकानी प?ती है।बताया जाता है कि एक पिंजरे की कीमत लगभग 11 हजार रुपये होती है।इन पिंजरों को खंडहर हो चुके मकानों में रखा जाता है।ऐसे में घर न होने के कारण इन लोगों को मजबूरी में पिंजरों के अंदर रहना पड़ता है।बताया जाता है कि जहां एक अपार्टमेंट में करीब 100 लोग रहते हैं। वहां पर एक अपार्टमेंट के महज दो ही टॉयलेट होते है, जिसकी वजह से इनकी परेशानी और बढ़ जाती है।'सोसाइटी फॉर कम्युनिटी आर्गेनाईजेशन' के मुताबिक, हांगकांग में फिलहाल इस तरह के घरों में लगभग एक लाख से भी ज्यादा लोग रह रहे हैं। इन पिंजरे में सोने के लिए लोग बिछौने के तौर पर गद्दे की जगह बांस की चटाई का इस्तेमाल करते हैं।इन पिंजरों का साइज भी निर्धारित होता है।जिनमे कोई पिंजरा छोटे केबिन के बराबर होता है तो कोई पिंजरा एक ताबूत के आकार का होता है।

टकराव के बीच उपराज्यपाल से मिले सीएम केजरीवाल, बोले

रुकने नहीं देंगे दिल्ली का विकास

- दिल्ली के सीएम ने साप्ताहिक बैठक में लिया भाग
- उपराज्यपाल और आम आदमी पार्टी के बीच चल रहा है आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। टकराव के बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना के साथ साप्ताहिक बैठक की। इस दौरान केजरीवाल ने विकास कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के हक में अगर किसी के पैर पकड़ने पड़े तो वह इससे भी गुरेज नहीं करेंगे।

दिल्ली की चुनी हुई सरकार और उपराज्यपाल के शासनिक ताल्लुकात आरोपों-प्रत्यारोपों से निकलकर निजी स्तर तक जा पहुंचे हैं। उपराज्यपाल के निर्देश पर दिल्ली सरकार के मंत्रियों समेत मुख्यमंत्री तक जांच का दायरा पहुंच गया है। उधर, मुख्यमंत्री के शहर से बाहर होने से पिछले हफ्ते शुक्रवार की साप्ताहिक बैठक नहीं हो सकी थी। इस बार मुख्यमंत्री खुद राजनिवास पहुंचे। साप्ताहिक बैठक में जनहित से जुड़े मसलों पर विचार हुआ। मुख्यमंत्री ने जोर दिया कि दिल्ली के विकास कार्यों को और गति देने की जरूरत है। साथ ही विभिन्न मुद्दों पर टकराव के बावजूद किसी भी स्थिति में दिल्ली में चल रहे विकास कार्यों को नहीं रुकने देने की प्रतिबद्धता दोहराई। मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल के बीच दिल्ली की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए बातचीत हुई। मुख्यमंत्री ने लैंडफिल साइट्स का हटाने से जुड़े काम में तेजी लाने के लिए दिल्ली सरकार की तरफ से हर तरह का सहयोग देने की बात कही। आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने बताया कि मुख्यमंत्री की सबसे बड़ी प्राथमिकता दिल्ली की जनता है। सारे विवाद अलग हैं मगर दिल्ली के काम के लिए हम हमेशा साथ रहेंगे। मुख्यमंत्री ने हमेशा कहा है कि दिल्लीवालों के लिए किसी के पैर भी पकड़ने पड़े तो वो करेंगे।

मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल के बीच चल रहे टकराव के बीच कयास लगाया जा रहा था कि दिल्ली की जनता की परेशानियां बढ़ेंगी और विकास कार्य प्रभावित होगा। हालांकि, दिल्ली सरकार ने इस बीच सड़क, अस्पताल, जल बोर्ड समेत दूसरे कामों को आगे बढ़ाया। किसी भी स्थिति में दिल्ली में चल रहे विकास कार्य को रुकने नहीं दिया जाएगा।

राष्ट्रीय अधिवेशन में विपक्षी एकता का संदेश देगी एनसीपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) रविवार को दिल्ली में अपना आठवां राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित कर रही है ताकि 2024 के लोक सभा चुनाव से पहले भाजपा से मुकाबला करने के लिए विपक्षी एकता का संदेश दिया जा सके।

शरद पवार ने 2019 के विधान सभा चुनाव के बाद महाराष्ट्र में कांग्रेस-शिवसेना-राकांपा की गठबंधन सरकार बनाकर भाजपा को चौंका दिया था। राकांपा अध्यक्ष पहले ही विपक्षी दलों से मतभेदों को अलग रखने और मोदी के विजय रथ को चुनौती देने के लिए हाथ मिलाने की अपील कर चुके हैं। राकांपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि पवार और राकांपा के शीर्ष नेता रविवार को तालकटोरा स्टेडियम में पार्टी के आठवें राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करेंगे। पवार 2022 तक मोदी द्वारा पूरे किए जाने वाले वादों पर एक पुस्तिका भी जारी कर सकते हैं।

अब हेमंत सोरेन के भाई बसंत की विधायकी पर संकट के बादल

- निर्वाचन आयोग ने राज्यपाल पर छोड़ा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भाई और दुमका से झामुमो विधायक बसंत सोरेन के मामले में भी भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई)ने सुनवाई पूरी करने के बाद अपना मंतव्य राजभवन को सौंप दिया है। विशेष दूत से सीलबंद लिफाफे में आयोग का सुझाव शुक्रवार शाम राजभवन पहुंचा है।

ईसीआई सूत्रों के अनुसार बसंत सोरेन के खनन कंपनी में साझेदार होने के आरोपों के संबंध में समुचित तथ्य नहीं मिले हैं। इस कारण आयोग ने फैसला राज्यपाल पर छोड़ा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मामले में भी आयोग का मंतव्य राजभवन को सौंपा जा चुका है। अब फैसले का इंतजार किया जा रहा है। बसंत के मामले में अंतिम बार बीते 29 अगस्त को आयोग में सुनवाई हुई थी। इस दौरान बसंत के अधिवक्ता ने आयोग से कहा था कि उनकी विधान सभा सदस्यता रद्द करने से जुड़े इस मामले में सुनवाई उचित नहीं है। यह राज्यपाल के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। इस दौरान भाजपा के अधिवक्ता ने बताया था कि बसंत जिस माइनिंग कंपनी से जुड़े हैं, वह राज्य में खनन का काम करती है। ऐसे में यह संविधान के अनुच्छेद 191 (1) के तहत राज्यपाल के अधिकार क्षेत्र में है। भाजपा ने आरोप लगाया था कि बसंत सोरेन चंद्र स्टोन वर्क्स में पार्टनर हैं। ग्रैंड माइनिंग कंपनी में भी साझेदार हैं। इस कंपनी पर सरकार का आठ करोड़ बकाया है। इस बाबत भाजपा ने राज्यपाल से शिकायत की। साथ ही निर्वाचन आयोग से परामर्श लेकर अयोग्य ठहराने की कार्यवाही अमल में लाने का आग्रह किया।

समाज में नफरत फैला रही भाजपा: भूपेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा ने तो राम के नाम पर रथयात्रा की है। सत्ता पाने के लिए राम का नाम लेते हैं। भाजपा हिंसा और नफरत फैलाने पर विश्वास करती है जबकि हमारे राम वनवासी राम हैं, कौशल्या के राम हैं। हमारे राम जोड़ने वाले राम हैं, उनके राम तोड़ने वाले हैं। क्या भाजपा ने कभी देश को जोड़ने के लिए पदयात्रा की है।

उन्होंने कहा कि भाजपा में नीचे से लेकर उपर तक परिवारवाद है। केंद्र की राजनीति में अमित शाह, राजनाथ सिंह का परिवार है। उन्होंने कहा कि भाजपा जिस परिवार की बात कर रही है, उस परिवार ने देश के लिए शहादत दी है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, राजीव गांधी ने देश को जोड़ने के लिए शहादत दी। राहुल गांधी देश को जोड़ने के लिए पदयात्रा कर रहे हैं।

सपा प्रमुख कर रहे सुभासपा को तोड़ने का प्रयास: राजभर

- किसी अन्य पिछड़े नेता को आगे बढ़ते नहीं देखना चाहते अखिलेश
- सुभासपा छोड़ने के लिए एमएलसी बनाने का दिया जा रहा लालच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) में मची भगदड़ के बीच पार्टी अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने इसके लिए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि सपा संरक्षक मुलायम सिंह और अखिलेश नहीं चाहते हैं कि कोई भी पिछड़ा नेता आगे बढ़े।

राजभर ने कहा कि दोनों बाप-बेटे ने पिछड़े वर्ग के लोगों को मौका मिलने पर पीछे धकेलने का काम किया है। सपा प्रमुख ने सुभासपा के पुराने नेताओं को तोड़ने के लिए अपने नवरत्नों को लगा दिया है। सुभासपा छोड़ने के लिए एमएलसी बनाने का प्रलोभन दिया जा रहा है इसलिए मैंने भी उन नेताओं को कह दिया है कि अगर सपा एमएलसी बनाती है तो चले जाओ। उन्होंने कहा कि अगर अखिलेश और उनके नवरत्नों द्वारा की जा रही साजिश को बंद नहीं किया गया तो 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा का पूर्वांचल में खाता भी नहीं खुलेगा। सुभासपा अध्यक्ष ने कहा कि सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट पर अखिलेश को बोलने का हक नहीं है। अखिलेश व मायावती को पिछड़ों के हितों के मुद्दे पर बोलने में डर लगता है।

परफॉर्मेंस अच्छी इसलिए गडकरी को नहीं परवाह

- 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2014 में नरेंद्र मोदी, सुषमा स्वराज, नितिन गडकरी और राजनाथ सिंह पार्टी में शक्ति केंद्र थे। हालांकि इनमें मोदी की लोकप्रियता सर्वाधिक थीं। सुषमा स्वराज के स्वर्गवास और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के मैदान छोड़ने के बाद एकमात्र नितिन गडकरी ही थे जिनसे नरेंद्र मोदी को चुनौती मिलने की संभावना थी। उन्होंने अपने व्यक्तित्व को 'मोदी सरकार के आभामंडल' में विलीन नहीं होने दिया लेकिन जब बात लोक सभा चुनाव की आती है तो सवाल उठता है कि 2024 के चुनावों में गडकरी और राजनाथ सिंह की भूमिका कैसी रहेगी? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अरविंद कुमार सिंह, विवेक देशपांडे, समीरात्मज मिश्रा, सतीश के सिंह, प्रो. रविकांत और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि राजनाथ सिंह के अलावा, वेंकैया नायडू, नितिन गड़करी और भी लोग अध्यक्ष थे। पूर्व अध्यक्षों में लगभग सभी बाहर है या यूं कहे कि किनारे कर दिए गए। गडकरी के पास अब केवल एक ही विभाग है। उनकी लोकप्रियता है। बिहार ने संवाद का रास्ता खोला है। वातावरण कहीं न कहीं बदल रहा है।

सतीश के सिंह ने कहा बीजेपी में संवादहीनता की स्थिति है। बहुत से लोग बोलते नहीं है, शायद इंतजार कर रहे होंगे। हालांकि कुछ ऐसा हो जाएगा पलट जाएगा तो ये कहना जल्दबाजी होगी। प्रो. रविकांत ने कहा नरेंद्र मोदी और अमित शाह को जोखिम लेना बहुत अच्छी तरह से आता है। उनको किसी की परवाह नहीं है। गडकरी की परफार्मेंस अच्छी है। वे मोदी की जगह ले सकते हैं। विवेक देशपांडे ने कहा कि मोदी और शाह का पॉलिटेक्स गेम गडकरी से मेल नहीं खाता। वहीं गडकरी अपने पत्ते नहीं खोल रहे हैं। गडकरी के बदलाव से संघ जरूर आहत है। समीरात्मज मिश्र ने कहा कि जो निगेटिव फैक्टर्स हैं अगर वो हावी होते हैं तो मोदी कैसे निकलते हैं, ये देखना होगा। यूपी चुनाव में ये सब चीजें थी मगर लीडरशिप बीजेपी को मिली। गडकरी के बयान चौकानें वाले हैं। मोदी को ये सब बातें चुभी जरूर होंगी। बिल्ली के गले में घंटी बांधेगा कौन? बीजेपी में इसका विरोध करने वाला कोई दिख नहीं रहा है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

एलडीए समेत छह विभाग के अफसर लेवाना कांड में दोषी

» जांच रिपोर्ट पेश, प्रमुख सचिव को जांच कमेटी ने देर रात सौंपी

» शासन रिपोर्ट के आधार पर करेगा कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लेवाना सुइट्स होटल अग्निकांड की जांच रिपोर्ट प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद को सौंप दी गई है। सूत्रों के मुताबिक लखनऊ मंडलायुक्त और पुलिस कमिश्नर की रिपोर्ट में अग्निकांड के पीछे लखनऊ डेवलपमेंट अथॉरिटी यानी एलडीए और फायर विभाग समेत छह विभागों को जिम्मेदार ठहराया गया है, जिनके अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की गई है।

सूत्रों के मुताबिक मंडलायुक्त रोशन जैकब और पुलिस कमिश्नर एसबी शिरडकर ने देर रात रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया, जिसमें दोषी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही। वहीं भविष्य में ऐसी घटनाएं न हो इसके लिए सुझाव दिए हैं। चर्चा है कि उन्होंने रिपोर्ट सौंपने से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात की थी। सूत्रों के मुताबिक जांच में अग्निकांड के लिए जिम्मेदार अफसरों और कर्मचारियों का जिक्र है। जिसमें एलडीए, फायर, नगर निगम, आबकारी, बिजली विभाग और जिला प्रशासन के कर्मचारियों का जिक्र है। रिपोर्ट में यह भी सलाह दी गई है कि उन सभी होटल और बिल्डिंग पर कार्रवाई होनी चाहिए जो मानक के विपरीत और बिना नक्शा पास किए हुए बनी हैं। सूत्रों के मुताबिक रिपोर्ट में उन सभी विभागों का जिक्र किया गया है, जिनका लेवाना होटल के निर्माण और चलने में कहीं न कहीं भूमिका था। इन विभागों की कहां पर चूक हुई और कौन जिम्मेदार है, रिपोर्ट में इसका जिक्र किया गया है। हम बताते हैं कि किन विभाग से कहां पर चूक हुई। लेवाना होटल जिस जमीन पर बना उसका नक्शा आवासीय परिसर के लिए पास हुआ था। जोन छह के अधिकारी आंख बंद कर बैठे रहे और बिना नक्शा पास हुए चार मंजिल होटल तैयार हो गया। जांच में सामने आया है कि फायर विभाग ने मौके पर जाकर जांच के नाम पर सिर्फ खाना पूर्ति की। फायर के मानक न पूरे होते हुए एनओसी दे दी। साथ ही कोई पेंच न फंसे इसके चलते नोटिस दिए, लेकिन उसके बाद कोई कार्रवाई नहीं की। जबकि वहां पर फायर एनओसी का सबसे जरूरी मानक फायर एक्जिट की व्यवस्था ही नहीं थी। लेवाना होटल का सराय एक्ट में रजिस्ट्रेशन नहीं था और न ही उसने कोई आवेदन तक नहीं किया था। शहर में इतना बड़ा होटल अवैध रूप से चल रहा था और जिला प्रशासन के अधिकारियों की इसकी खबर तक नहीं थी।

अखिलेश से विपक्षी पार्टियों को सावधान रहने की जरूरत : मायावती

» गठबंधन में आपसी झगड़े, खींचतान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव और डिप्टी सीएम केशव मौर्य के सियासी घमासान के बीच मायावती ने ट्वीट करते हुए विपक्षी पार्टियों को सावधान रहने की नसीहत दी है। मायावती ने कहा कि सपा यूपी में अपना जनाधार होती जा रही है। इसके लिए उनका अपना कृत ही मुख्य कारण है। साथ ही सपा की भाजपा के साथ अंदरूनी मिलीभगत किसी से छिपी नहीं है।

यही खास वजह है कि सपा मुख्य विपक्षी पार्टी होने पर भी बीजेपी सरकार को यहां वहां को बल मिल रहा है। और सरकार को अपनी मनमानी करने की छूट मिल गई है। बसपा प्रमुख ने एक बार फिर से समाजवादी पार्टी पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि परिवार व पार्टी उनके गठबंधन में आपसी झगड़े खींचतान तथा अपराधिक तत्वों की इनकी खुली सांठगांठ व जेल मिलान आज की मीडिया खबरें आम चर्चा में है और आम लोगों को निराशा क्यों न हो। मायावती ने मुस्लिम वोट बैंक को साधते हुए कहा सपा प्रमुख सपा की अंदरूनी मिलीभगत की वजह से प्रदेश और देश में आम जनता और खासकर मुस्लिम समाज का जीवन त्रस्त और उसमें काफी बेचैनी है। सपा मुखिया अपनी इसी प्रकार की जनविरोधी कमियों को छुपाने के लिए दूसरों के खिलाफ अक्सर आना वगैरा बचकानी बयानबाजी करके लोगों का ध्यान भटकाने का प्रयास करते हैं।

फोटो : चेतन गुप्ता

शर्मनाक!

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुराना कटआउट व सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पोस्टर ग्रीन पार्क में स्थित खेल विभाग के दफ्तर के बगल में गैलरी में कबाड़ के बीच पड़ा हुआ था जिसने भी इसको देखा, उसने आलोचना की। सवाल यह उठता है कि एक तरफ जहां कानपुर की सरजमीं पर ग्रीन पार्क स्टेडियम में देश-विदेश के खिलाड़ी पहुंचे हुए हैं, ऐसे में यह नजारा जिम्मेदारों के लिए तमाम सवाल खड़े करता हैं। ग्रीन पार्क स्टेडियम में आज से रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज का आगाज हो रहा है, जहां उद्घाटन मैच में भारत का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। मैच के लिए सारी तैयारियां पूरी हो गई हैं। भारतीय टीम की कमान मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के हाथों में है, जबकि दक्षिण अफ्रीका का नेतृत्व जोंटी रोड्स कर रहे हैं। दोनों ही टीमों के बीच मुकाबला शाम साढ़े सात बजे खेला जाएगा। इसके पहले शुक्रवार को दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने जमकर अभ्यास किया। उस दौरान भी यह कटआउट और पोस्टर खुलेआम ऐसे ही कबाड़ में पड़े रहे।

गुजरात विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू

» मुख्य चुनाव अधिकारी ने की जनता से अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात में विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में होने हैं, जिसके लिए सभी पार्टियों ने अपनी कमर कस ली है। ऐसे में चुनाव को लेकर जनता को उनके कर्तव्य और अधिकारों के प्रति जागरूक कराने की प्रशासनिक मुहिम ने भी रफ्तार पकड़ ली है। देश की चुनावी प्रक्रिया को बेहतर बनाने में हर मतदाता की भूमिका अहम है और जनता द्वारा किए गए वोट ही सरकार को बनाने में योगदान देते हैं। अब जनता को सोशल मीडिया के माध्यम से तमाम संदेश देकर जागरूक किया जा रहा है।

वहीं गुजरात की मुख्य चुनाव अधिकारी पी.भारती ने मतदाता सूची में नामों के पंजीकरण, सुधार के लिए नागरिकों से अपील की है। इसकी जानकारी गुजरात इन्फॉर्मेशन ने देश के अपने सोशल मीडिया मंच, कू ऐप के माध्यम से दी है। गुजरात की मुख्य चुनाव अधिकारी पी. भारती की मतदाता सूची में नामों के पंजीकरण, सुधार के लिए नागरिकों से विनम्र अपील की है। एक अन्य पोस्ट के माध्यम से गुजरात इन्फॉर्मेशन ने मतदाता की भूमिका से अवगत कराया है, जो देश की चुनावी प्रक्रिया को बेहतर बनाने में विशेष योगदान देते हैं। देश की चुनावी प्रक्रिया को बेहतर बनाने में हर मतदाता की भूमिका अहम है। इन पोस्ट के माध्यम से जनता से यही अपील की गई है कि नागरिक मतदाता सूची में नामों के पंजीकरण/सुधार के लिए जल्द से जल्द प्रक्रिया शुरू कर दें, जिससे कि चुनाव की तारीखों की घोषणा होने तक मतदाता सूची में नागरिक का नाम जुड़ सके या उसमें सुधार हो सके। साथ ही जनता को उनके मतदाता अधिकार को लेकर जागरूक किया गया है। यदि चुनावी प्रक्रिया की बात करें, तो गुजरात विधानसभा के 182 सदस्यों का चुनाव करने के लिए राज्य में चुनाव 2022 नवंबर से दिसंबर में होने की संभावना जताई जा रही है। पिछले चुनाव में, भाजपा को विधानसभा में 99 सीटें मिलीं, जबकि बहुमत का आँकड़ा 92 था। वहीं, कांग्रेस ने 77 सीटों पर हाथ जमाया था।

अध्यक्ष पद की चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर उठे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर चिंता जाहिर करते हुए पार्टी के पांच सांसदों ने पार्टी के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री को एक संयुक्त पत्र लिखा है। इन्होंने अध्यक्ष का चुनाव करने वाले प्रदेश निर्वाचक मंडल के प्रतिनिधियों की सूची साझा करने की मांग उठाई है। इन सांसदों में असंतुष्ट खेमे के 23 सदस्यों में शामिल शशि थरूर और मनीष तिवारी के साथ कार्ति चिदंबरम भी शामिल हैं।

कांग्रेस के लिए परेशानी की बात यह है कि इन सांसदों ने यह मुद्दा ऐसे समय उठाया है जब राहुल गांधी पार्टी के मौजूदा राजनीतिक इतिहास की सबसे बड़ी भारत जोड़ो यात्रा कर रहे हैं। समझा जाता है कि कांग्रेस के इन नेताओं ने मधुसूदन मिस्त्री को यह चिट्ठी भारत जोड़ो यात्रा से ठीक एक दिन पहले लिखी और शुक्रवार देर शाम पार्टी के सियासी गलियारों से इसका मजमून सामने आया। थरूर, मनीष के साथ इस साझा पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में असम के दो लोकसभा सदस्य प्रद्युत बोरदोलोई और अब्दुल खालिक शामिल हैं। हालांकि पहले कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के सभी 9,000 से अधिक निर्वाचक मंडल की सूची सार्वजनिक रूप से जारी करने की मांग उठाने के बाद अब प्रदेश निर्वाचक मंडल की सूची मुहैया कराए जाने की मांग अपेक्षाकृत नरम है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।